पद ६७

(राग: देस - ताल: धुमाळी)

या महबूब सुबहानी। कर मुश्किलको आसानी।।१।। अली मुहंमद औलादे अली। शेख कादर जीलानी।।२।। हबीबुल्ला हुताला तूं गौस समदानी।।३।। हसन बिन मुसन्ना तूं। कुतुब खबानी।।४।।